ईरान युद्ध की स्थिति से तय शेयर बाजार

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और उसके बयान पर भी निवेशकों की नजर

मुंबई, 15 मार्च.घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह से जारी भारी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में भी ईरान युद्ध की स्थिति ही निवेश धारणा को तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक होगा.

ईरान युद्ध जिस तरह से लंबा खिंच रहा है उससे दुनिया भर के शेयर बाजारों के साथ भारतीय शेयर बाजार भी दबाव में हैं. यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है तो आने वाले सप्ताह में भी बिकवाली जारी रह सकती है. इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और उसके बयान पर भी निवेशकों की नजर रहेगी. यह बैठक 17-18 मार्च को होने वाली है.बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को छोड़कर बाकी के चार दिन गिरावट रही.बीएसई का सेंसेक्स कुल मिलाकर 4,354.98 अंक (5.52 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 74,563.92 अंक पर बंद हुआ.नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 1,299.35 अंक यानी 5.61 फीसदी गिरकर 23,151.10 अंक पर आ गया.दोनों सूचकांकों का यह 11 महीने का निचला स्तर है.इस साल 26 फरवरी के बाद से सेंसेक्स 7,685 अंक (9.34 प्रतिशत) और निफ्टी-50 सूचकांक 2,345.45 अंक (9.20 प्रतिशत) टूट चुका है.मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में भी बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही.निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.77 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.66 प्रतिशत लुढ़क गया.

एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 12.86 प्रतिशत गिरा.अल्ट्राटेक सीमेंट में 11.51 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 11.47, मारुति सुजुकी में 11.03, बजाज फाइनेंस में 9.99, एक्सिस बैंक में 9.02, भारतीय स्टेट बैंक में 8.46, कोटक महिंद्रा बैंक में 8.33, अडानी पोर्ट्स में 7.67 और टाटा स्टील में 7.61 प्रतिशत की गिरावट रही.सप्ताह के दौरान बजाज फिनसर्व का शेयर 6.98 प्रतिशत, इटरनल का 6.96, ट्रेंट का 6.24, बीईएल का 6.14, टीसीएस का 5.76, इंडिगो का 5.61, एचडीएफसी बैंक का 4.68, इंफोसिस का 4.57 और आईसीआईसीआई बैंक का 4.50 प्रतिशत टूट गया.

विदेशी मुद्रा भंडार में 11.68 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई, 15 मार्च. विदेशी मुद्रा भंडार में 06 मार्च को समाप्त सप्ताह 11.683 अरब डॉलर की गिरावट रही और सप्ताहांत पर यह 716.81 अरब डॉलर रहा.रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.88 अरब डॉलर बढ़कर 563.245 अरब रुपये रह गयी.इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, ब्रितानी पाउंड और यूरो शामिल हैं जिनके मूल्य का निर्धारण डॉलर के मुकाबले उनके संदर्भ दर से होता है. स्वर्ण भंडार में 1.612 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गयी और यह 06 मार्च को 130.017 अरब डॉलर रहा . अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 4.5 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 14.6 करोड़ डॉलर घटकर क्रमश: 4.828 अरब डॉलर और 18.72 अरब डॉलर पर रहे.

बिजली संयंत्रों के लिए विद्युत नियमावली में संशोधन

नई दिल्ली, 15 मार्च. केंद्र ने कंपनियों के कैप्टिव विद्युत उत्पादन संयंत्रों (सीजीपी) से जुड़े नियमों की व्याख्या को अधिक स्पष्ट करने और इसे व्यवसाय के लिए अधिक आसान एवं अनुकूल बनाने के लिए विद्युत नियमावली , 2005 के नियम 3 में संशोधन किये हैं.

विद्युत मंत्रालय की शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में विद्युत (संशोधित) नियमावली-2026 को अधिसूचित कर दिया गया है. मंत्रायल ने कहा कि 0इन संशोधनों का उद्देश्य नियमों की व्याख्या से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करना, उद्योगों के लिए कारोबार में आसानी को सुधानाऔर कैप्टिव बिजली संयंत्र व्यवस्था को भारत के ऊर्जा संक्रमण और औद्योगिक विकास के लक्ष्यों के साथ समन्वित करना है. नये संशोधनों के कुछ प्रावधान कुछ प्रावधान 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे जबकि अन्य संशोधन तुरंत प्रभाव से लागू होंगे. अधिनियम, 2003 में कैप्टिव बिजली उत्पादन को एक महत्वपूर्ण प्रावधान के रूप रखा गया है.

मंत्रालय का कहना है कि इन संशोधनों के जरिए कैप्टिव पावर प्रावधानों के क्रियान्वयन में और स्पष्टता लायी गयी है जबकि स्वामित्व और उपभोग से जुड़े कानूनी सुरक्षा प्रावधान बनाए रखे जाएंगे . इससे उद्योगों को अपने उपयोग के लिए बिजली उत्पादन करना अधिक आसान बनाने के लिए कानूनी व्यवस्थाएं अधिक स्पष्ट और लचीली हुई हैं . कैप्टिव बिजली संयंत्रों के स्वामित्व की परिभाषा में अब अनुषंगी कंपनियां और होल्डिंग कंपनियां तथा होल्डिंग कंपनी की अन्य सहायक कंपनियां भी शामिल की गयी हैं . मंत्रालय का कहना है कि आधुनिक कॉर्पोरेट संरचनाओं को ध्यान में रखते हुए यह संशोधन किया गया है . नयी कार्पोट संरचनाओं में बिजली परियोजनाएं अक्सर समूह की किसी इकाई या विशेष प्रयोजन कंपनी (एपीवी) के माध्यम से विकसित की जाती हैं .

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

मुंबई, 15 मार्च.घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही बड़ी गिरावट से बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,48,478 करोड़ रुपये कम हो गया है. बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक 89,306 करोड़ रुपये का साप्ताहिक नुकसान सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक को हुआ.

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के एमकैप में 61,715 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस में 59,082 करोड़ रुपये की गिरावट रही.सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टीसीएस को इस मामले में 53,314 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक को 42,205 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ.दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 38,689 करोड़ रुपये और विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का 33,290 करोड़ रुपये घट गया है.

सार्वजनिक बीमा कंपनी एलआईसी का एमकैप 31,245 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का 24,230.96 करोड़ रुपये कम हुआ.एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर के एमकैप में 15,402 करोड़ रुपये की गिरावट रही.बाजार पूंजीकरण के मामले में 18,68,293 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही.एचडीएफसी बैंक 12,57,392 करोड़ के साथ दूसरे और एयरटेल 10,28,432 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रही.

गति-स्थिरता के बीच संतुलन बिठाने को सेबी प्रमुख की सलाह

मुंबई, 15 मार्च . भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने बदलते परिवेश में बाजारों में गति और स्थिरता में संतुलन को सुनिश्चित करने की जरूरत को रेखांकित किया है. उन्होंने कहा कि भारत के पूंजी बाजारों के विस्तार और मजबूती के साथ इनके काम का परिवेश बदल गया है क्योंकि वैश्विक घटनाओं से इनका जुड़ाव बढ़ा है . श्री पांडे यहां एक मीडिया हाउस के संवाद कार्यक्रम के एक सत्र को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि दक्षता वित्तीय प्रणाली में भरोसे की नींव है. इसके बिना पूंजी आगे बढ़ने में हिचकिचाती है. उन्होंने पश्चिम एशिया संकट से बाजारों में गिरावट के इस दौर में खुदरा निवेशकों को धैर्य रखने की सलाह दी.

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

एक हफ्ते में सोना 3,275 रुपये और चांदी 9,330 रुपये सस्ती

कई विशेषज्ञ कीमतों में आई गिरावट को खरीददारी का अवसर मान रहे

नई दिल्ली, 15 मार्च. सोना और चांदी की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. वैश्विक बाजार में अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव का असर अब कीमती धातुओं के दामों पर भी दिखाई देने लगा है. खासकर ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव के कारण निवेशकों की नजर लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों पर बनी हुई है.

हालांकि इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी नहीं दिखी, बल्कि दोनों धातुओं के दामों में गिरावट दर्ज की गई है. पिछले सप्ताह की तुलना में सोना हजारों रुपये सस्ता हुआ है, जबकि चांदी की कीमत में भी अच्छी-खासी कमी आई है. ऐसे में बाजार पर नजर रखने वाले निवेशकों और आभूषण खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए यह समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

कई विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतों में आई यह गिरावट खरीदारी का अवसर भी हो सकती है . अगर आप भी सोना या चांदी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो पहले यह जानना जरूरी है कि आज देश के प्रमुख शहरों में इन कीमती धातुओं का ताजा भाव क्या है और पिछले एक हफ्ते में कीमतों में कितना बदलाव आया है . पिछले कुछ दिनों से सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है . अंतरराष्ट्रीय बाजार की हलचल और भू-राजनीतिक तनाव के बीच इस सप्ताह कीमती धातुओं के दामों में गिरावट दर्ज की गई है .

एफएसएसएआई द्वारा स्थायी लाइसेंस देने का निर्णय परिवर्तनकारी : कैट

नयी दिल्ली, 15 मार्च. अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं संरक्षा प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा खाने-पीने की चीजों को व्यवसायियों को स्थायी लाइसेंस देने के निर्णय को परिवर्तनकारी बताया है. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इससे व्यवसायियों को बार-बार लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराना होगा और अनुपालना का बोझ कम होगा. उन्होंने कहा कि ये बड़े सुधार सरकार के उस विजन के अनुरूप हैं जिसके तहत नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाकर व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाया जा रहा है.

इस हफ्ते 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 15 मार्च. मार्च का महीना त्योहारों और छुट्टियों से भरा हुआ है. इसी वजह से इस हफ्ते देश के कई राज्यों में बैंक अलग-अलग दिनों में बंद रहने वाले हैं. यदि आपका बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, जैसे नकद जमा करना, चेक क्लियर करवाना या किसी दस्तावेज से संबंधित प्रक्रिया पूरी करनी है, तो बैंक जाने से पहले छुट्टियों की सूची जरूर देख लें. दरअसल, इस सप्ताह कई धार्मिक और पारंपरिक त्योहार मनाए जा रहे हैं, जिनमें ईद, उगडी और गुड़ी पाडवा जैसे प्रमुख पर्व शामिल हैं.

शिया अफ्रीका एग्री एलायंस की शुरुआत

गुरुग्राम (हरियाणा) 15 मार्च. एशिया और अफ्रीका के 10 से अधिक देशों के राजनयिकों , उद्यमियों और अधिकारियों की यहां शुक्रवार को एक गोलमेज चर्चा में एशिया अफ्रीका एग्री एलायंस (4ए) नाम से एक नयी औपचारिक शुरुआत की गई.

आयोजकों की आरे से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार यह नया संस्थागत मंच एशिया और अफ्रीका के बीच कृषि सहयोग, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है. यह सम्मेलन मक्का और मिलेट्स और कृषि एवं जैव कचरे पर आयोजित कॉन्क्लेव-2026 के साथ आयोजित किया गया था. इसमें दस से अधिक देशों के राजदूत, वरिष्ठ राजनयिक, नीति-निर्माता और एग्रीबिजनेस क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हुए.

गोलमेज बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री रेणुका शुगर्स लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन अतुल चतुर्वेदी ने कहा कि एशिया और अफ्रीका की क्षमताएँ एक-दूसरे की पूरक हैं और यदि इन्हें प्रभावी रूप से जोड़ा जाए तो वैश्विक कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव संभव है.

सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली, 15 मार्च. सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है. पश्चिम बंगाल सरकार ने लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ता एरियर के भुगतान को लेकर अहम घोषणा की है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को वर्ष 2009 से बकाया डीए एरियर का भुगतान शुरू करेगी. यह फैसला लाखों कर्मचारियों, शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, जो लंबे समय से अपने बकाया महंगाई भत्ते की मांग कर रहे थे.

चावल-गेहूं नरम ; चीनी में साप्ताहिक तेजी

नयी दिल्ली, 15 मार्च. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये. चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही. खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देख गया.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,782 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं 25 रुपये सस्ता होकर 2,794 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे का भाव 10 रुपये गिरकर 3,301 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. दालों की कीमत में घट-बढ़ रही. सप्ताह के दौरान चना दाल औसतन 24 रुपये और मसूर दाल 16 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई. वहीं, उड़द दाल की कीमत 36 रुपये और तुअर दाल की 11 रुपये बढ़ गयी. मूंग दाल आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. बीते सप्ताह खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव देखा गया. सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी. सूरजमुखी तेल 360 रुपये और पाम ऑयल 332 रुपये महंगा हुआ. मूंगफली तेल की कीमत 267 रुपये और सोया तेल की 119 रुपये बढ़ गयी. वनस्पति भी 26 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ.

रालोद के बिना सपा की राह होगी आसान?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अभी तकरीबन साल भर का वक्त बाकी है, लेकिन राजनैतिक दल रणनीतियां बनाने में अभी से जुट गए हैं. पिछले दो चुनाव में सत्ता से वनवास झेल रही समाजवादी पार्टी के को सत्ता में लाने के लिए अखिलेश यादव नए-नए समीकरण गढ़ रहे हैं.

समाजवादी पार्टी इस बार खास तौर पर उन क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है, जहां पिछले चुनावों में उसे सफलता नहीं मिल पाई थी. यही वजह है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव 29 मार्च को गौतमबुद्धनगर के दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा रैली' को संबोधित करने जा रहे हैं.

सपा के मिशन 2027 की शुरुआत!- सपा इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने सामाजिक समीकरण को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है. अखिलेश यादव की रणनीति पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ जाट और गुर्जर मतदाताओं को भी जोड़ने की है. ऐसे में अखिलेश की रैली को पार्टी के चुनावी अभियान की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है. दादरी में आयोजित होने वाली रैली को इसी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है. सपा के नेता इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों को जुटाकर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में लगे हैं. गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी ने साल 2012 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, लेकिन उसके बाद 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी दोबारा सत्ता में वापसी नहीं कर सकी.

पश्चिमी यूपी में बढ़ी सपा की चुनौती

2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में सपा को 403 सीटों में से 111 सीटों पर ही जीत मिली थी . उस वक्त राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन के बावजूद पश्चिमी यूपी में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी . इस बार राष्ट्रीय लोकदल का भी साथ नहीं रहेगा . यही वजह है कि अखिलेश ने पश्चिमी यूपी में अभी से मेहनत शुरू कर दी है . वेस्टर्न यूपी में गौतमबुद्धनगर जिले की तीनों विधानसभा सीटों नोएडा, दादरी और जेवर पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी . ऐसे ही गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर और बागपत जिलों की अधिकतर सीटों पर भी भाजपा को बढ़त मिली थी . इस बार रालोद के साथ न होने से पश्चिमी यूपी में सपा की चुनौती और बढ़ गई है .

क्या एनडीए में भी क्रॉस वोटिंग का डर?

5वीं सीट को लेकर एनडीए का 'मास्टर प्लान', विधायकों को पटना नहीं छोड़ने का निर्देश

पटना. बिहार की सियासत में इन दिनों राज्यसभा चुनाव को लेकर जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है. 16 मार्च को राज्यसभा की 5 सीटों के लिए मतदान होना है और इस बार मुकाबला थोड़ा दिलचस्प माना जा रहा है. वजह यह है कि मैदान में 5 सीटों के लिए 6 उम्मीदवार उतर चुके हैं.

ऐसे में सबसे ज्यादा चर्चा और सियासी गणित पांचवीं सीट को लेकर हो रहा है. राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा और जदयू को दो-दो सीटें मिलना लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन असली मुकाबला पांचवीं सीट पर है. इसी सीट को जीतने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी रणनीति पर तेजी से काम शुरू कर दिया है. एनडीए की कोशिश है कि किसी भी तरह की चूक न हो और पांचों सीटों पर जीत दर्ज कर क्लीन स्वीप किया जाए.

इसी को लेकर पटना में एनडीए विधायकों की एक अहम बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी शामिल हुए. भाजपा की ओर से यह बैठक उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सरकारी आवास पर आयोजित की गई, जहां देर रात तक रणनीति पर चर्चा चलती रही. बैठक के दौरान नेताओं ने विधायकों को वोटिंग की पूरी प्रक्रिया बहुत ही बारीकी से समझाई. उन्हें बताया गया कि राज्यसभा चुनाव में मतदान थोड़ा अलग तरीके से होता है, इसलिए अगर किसी भी तरह की तकनीकी गलती हो जाए तो वोट रद्द भी हो सकता है.

एआईएमआईएम और बसपा किंगमेकर की भूमिका में

विधानसभा के संख्या बल की बात करें तो एनडीए काफी मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहा है . बिहार विधानसभा में एनडीए के कुल 202 विधायक हैं . इनमें भाजपा के 89, जदयू के 85, लोजपा (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम) के 5 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 4 विधायक शामिल हैं . वहीं दूसरी ओर महागठबंधन अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है . महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6, भाकपा (माले) के 2, सीपीआई के 1 और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के 1 विधायक हैं . लेकिन इन सबके बीच असली खेल पांचवीं सीट के गणित पर टिका हुआ है .

पणजी नगर निकाय चुनाव में भाजपा की सुनामी

पणजी. पणजी नगर निगम चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. भाजपा समर्थित पैनल ने कुल 30 में से 27 वार्ड में विजय पा ली है. विपक्ष के खाते में महज 3 वार्ड ही गए. पणजी के 30 वार्ड के लिए बीते 11 मार्च को शांतिपूर्वक तरीके वोटिंग हुई थी.

मतदान में 69.07 फीसदी वोटर्स ने हिस्सा लिया था. शुक्रवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में वोटों की गिनती की गई. यहां बैलेट पेपर से चुनाव हुआ था, जिसमें भाजपा ने बंपर जीत पाई है.

अमी पंजेकर से थी टक्कर- गौरतलब है कि पणजी नगर निकाय चुनाव को बीजेपी समर्थित गुट और विपक्षी गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर के तौर पर देखा जा रहा है. लेकिन बीजेपी समर्थित गुट ने साफ कर दिया कि पणजी उनका गढ़ है. इस चुनाव में बीजेपी गठबंधन का नेतृत्व अटानेशियो बाबुश मॉनसर्रेट ने किया, जिन्होंने सभी 30 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारे.

अय्यर के पत्र पर थरूर का करारा जवाब

नई दिल्ली. ईरान युद्ध के बीच कांग्रेस पार्टी जहां सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठा रही है, वहीं पार्टी के भीतर ही विदेश नीति को लेकर घमासान मच गया है. कांग्रेस सांसद शशि थरूर और वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए हैं.

थरूर ने अय्यर के एक खुले पत्र का तीखा और विस्तृत जवाब दिया है. हाल ही में मणिशंकर अय्यर ने फ्रंटलाइन मैगजीन में एक खुला पत्र लिखकर शशि थरूर की विदेश नीति संबंधी टिप्पणियों पर सवाल खड़े किए थे. इसके जवाब में थरूर ने एक पोस्ट लिखकर कहा है कि लोकतंत्र में अलग राय रखना गलत नहीं है, लेकिन इसके आधार पर किसी की नीयत या देशभक्ति पर सवाल उठाना बिल्कुल अनुचित है.

शशि थरूर ने अय्यर को संबोधित करते हुए लिखा कि मैने हमेशा अंतरराष्ट्रीय मामलों को भारत के राष्ट्रीय हित के नजरिए से देखा है. मेरे लिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और दुनिया में भारत का सम्मान सर्वोपरि है. दुनिया की राजनीतिक हकीकत को समझना और देश के हित में फैसले लेना कोई मोरल सरेंडर नहीं है, बल्कि यह एक जिम्मेदार स्टेटक्राफ्ट है. थरूर ने इतिहास का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि भारत ने पहले भी राष्ट्रीय हित में कई बार दूसरे देशों की गलत कार्रवाइयों पर सार्वजनिक रूप से तुरंत विरोध नहीं किया. सोवियत यूनियन के साथ संबंधों के कारण हंगरी, चेकोस्लोवाकिया और अफगानिस्तान के मामलों में भी भारत का रुख बहुत संतुलित रहा था.

थरूर ने अपने हालिया लेख का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, इसलिए इसे तुरंत खत्म होना चाहिए. लेकिन उन्होंने यह भी माना कि अमेरिका के साथ भारत के कई महत्वपूर्ण हित जुड़े हैं, जिन्हें खतरे में डालना समझदारी नहीं है. विदेश नीति केवल भाषण देने की राजनीति नहीं है. अपनी विदेश यात्राओं पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए शशि थरूर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के सामने भारत का पक्ष साफ रखा गया था. भारत बुद्ध और गांधी की भूमि है जो शांति चाहती है, लेकिन शांति का मतलब कमजोरी नहीं है.

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव का जिक्र

अंत में कांग्रेस सांसद ने अय्यर को याद दिलाया कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में उनका समर्थन किया था जिसके लिए वह आभारी हैं . जब अय्यर को पार्टी से निलंबित किया गया था तब थरूर ने भी उनका समर्थन किया था . थरूर ने कहा कि अय्यर की हालिया टिप्पणियों के बाद यह जवाब देना बेहद जरूरी हो गया था . यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब कांग्रेस के कुछ नेता पहले ही कह चुके हैं कि मणिशंकर अय्यर अब पार्टी का हिस्सा नहीं हैं .